चित्रों की भाषा

देखो तो ज़रा इस चित्र में कितने प्रकार के पेड़ हैं? इनकी पत्तियों के अलग-अलग आकार से शायद तुम इन्हें पहचान पाओ।

प्रस्तुति : शेफाली

हेनरी रूसो एक फ्रेंच चित्रकार हैं जिनका जन्म 1844 में हुआ था। रूसो एक कर अधिकारी थे। ऑफिस में बैठकर अपने खाली समय में वे चित्रकारी किया करते थे। चालीस साल की उम्र में उन्होंने अपनी इस कला को पूरा समय देना शुरू किया।

रूसो अपने चित्रों में अक्सर कटिबन्धीय जंगल और जानवर दर्शाते हैं। मज़े की बात तो यह है कि वे जीवनकाल में ना तो कभी फ्रांस के बाहर गए और ना ही उन्होंने कोई कटिबन्धीय जंगल देखा। वे पेरिस के वानस्पतिक बगीचे में जाकर पेड़-पौधों का अध्ययन करते थे और फिर उन्हें अपने चित्रों में उतारते थे।

तुमने किताबों में बाघ के फोटो देखकर अपनी कॉपी में ज़रूर उतारे होंगे। पर, क्या तुमने कभी रूसो की तरह चिड़ियाघर में जाकर बाघ या किसी अन्य जानवर या पक्षी का करीब से अध्ययन कर उसका चित्र बनाया है?

अपनी कॉपी में दो पेड़ बनाओ। एक नीम का और एक अशोक का। क्या तुम्हारे दोस्त तुम्हारे चित्र से इन पेड़ों की भिन्नता पहचान पाएँगे? ऐसा करो, पहले तो रूसो की तरह इन पेड़ों को अपने मोहल्ले में ढूँढो और फिर इनकी पत्तियों के रंग, आकार वगैरह को ध्यान से देखते हुए अपनी कॉपी में उतारो।

अब इन चित्रों को चकमक को भेज दो। देखते हैं किसके पेड़ तुरन्त पहचान में आते हैं!